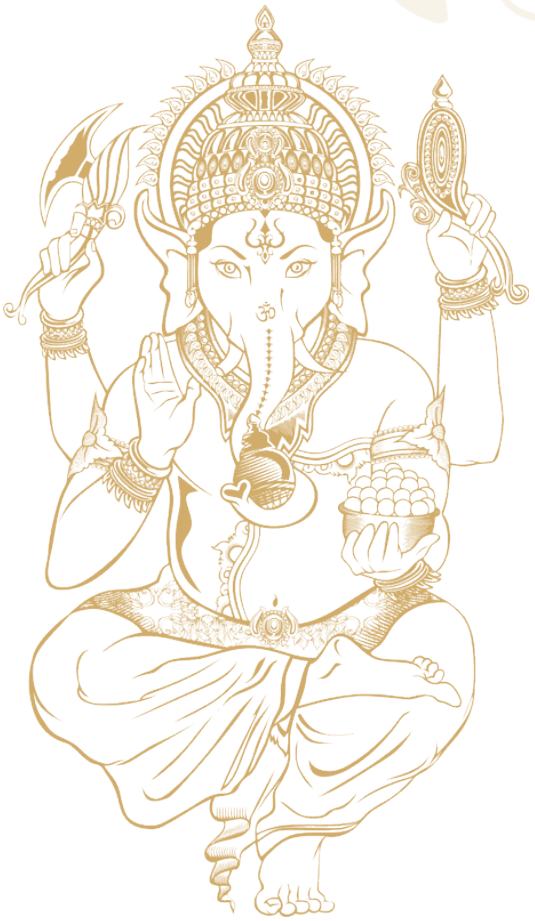

nidhi

03 Jul 2002

11:15 AM

Bhiwani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121951504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/07/2002**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:15:00 घंटे**
इष्ट	14:19:13 घटी
स्थान	**Bhiwani**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:50:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:49:40 घंटे
वेलान्तर	-00:04:09 घंटे
साम्पातिक काल	05:34:00 घंटे
सूर्योदय	05:31:18 घंटे
सूर्यास्त	19:27:29 घंटे
दिनमान	13:56:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:15:03 मिथुन
लग्न के अंश	00:23:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:23:35	317:23:46	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मिथु	17:15:03	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मीन	22:54:48	11:53:55	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	29:24:42	00:38:44	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			वृष	28:44:59	01:38:23	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	29:32:50	00:13:16	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	27:25:42	01:08:37	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			वृष	27:37:07	00:07:30	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु			वृष	23:44:00	00:00:16	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:44:00	00:00:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:35:31	00:01:22	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:27:41	00:01:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:43:11	00:01:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			मिथु	00:08:36	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:15

लग्न-चलित

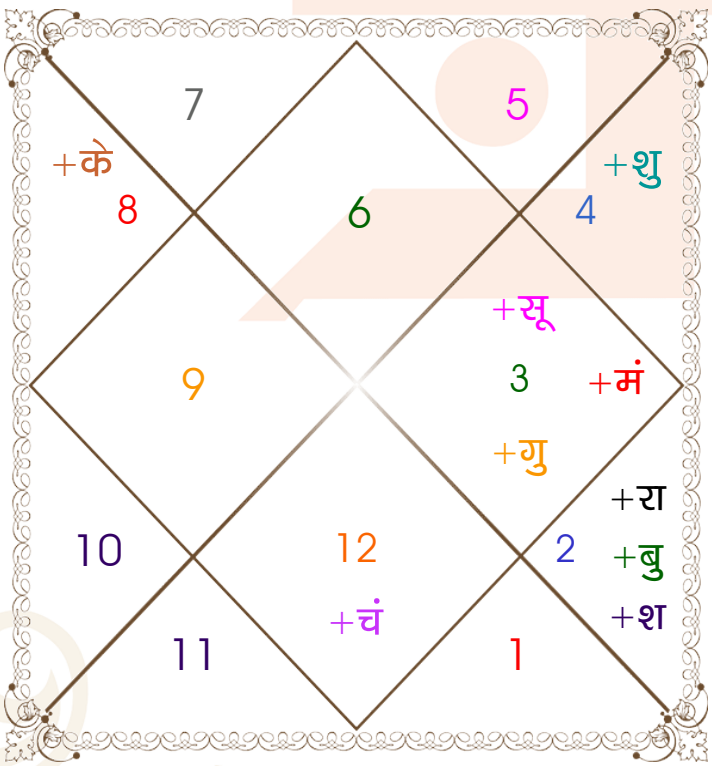

चन्द्र कुंडली

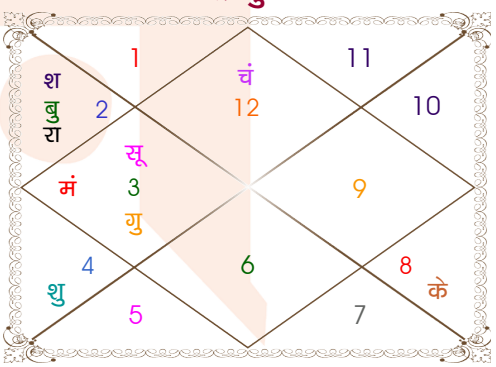

नवमांश कुंडली

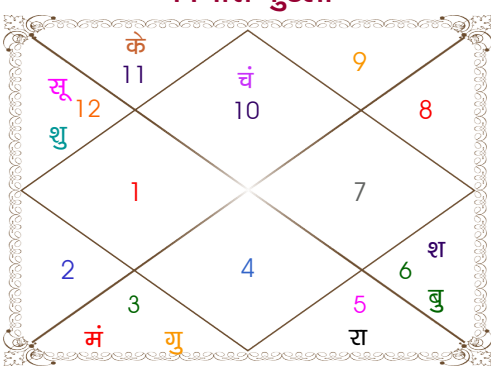

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 0 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/07/2002		16/07/2011		16/07/2018		16/07/2038		15/07/2044	
16/07/2011		16/07/2018		16/07/2038		15/07/2044		16/07/2054	
	00/00/0000	केतु	12/12/2011	शुक्र	14/11/2021	सूर्य	03/11/2038	चंद्र	16/05/2045
	00/00/0000	शुक्र	11/02/2013	सूर्य	15/11/2022	चंद्र	04/05/2039	मंगल	15/12/2045
	00/00/0000	सूर्य	18/06/2013	चंद्र	15/07/2024	मंगल	09/09/2039	राहु	16/06/2047
	03/07/2002	चंद्र	17/01/2014	मंगल	15/09/2025	राहु	03/08/2040	गुरु	15/10/2048
चंद्र	15/01/2003	मंगल	16/06/2014	राहु	14/09/2028	गुरु	22/05/2041	शनि	16/05/2050
मंगल	12/01/2004	राहु	04/07/2015	गुरु	16/05/2031	शनि	04/05/2042	बुध	16/10/2051
राहु	31/07/2006	गुरु	09/06/2016	शनि	16/07/2034	बुध	10/03/2043	केतु	16/05/2052
गुरु	05/11/2008	शनि	19/07/2017	बुध	16/05/2037	केतु	16/07/2043	शुक्र	14/01/2054
शनि	16/07/2011	बुध	16/07/2018	केतु	16/07/2038	शुक्र	15/07/2044	सूर्य	16/07/2054

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/07/2054		16/07/2061		16/07/2079		16/07/2095		17/07/2114	
16/07/2061		16/07/2079		16/07/2095		17/07/2114		00/00/0000	
मंगल	12/12/2054	राहु	28/03/2064	गुरु	02/09/2081	शनि	19/07/2098	बुध	13/12/2116
राहु	31/12/2055	गुरु	22/08/2066	शनि	16/03/2084	बुध	29/03/2101	केतु	10/12/2117
गुरु	06/12/2056	शनि	27/06/2069	बुध	22/06/2086	केतु	08/05/2102	शुक्र	10/10/2120
शनि	14/01/2058	बुध	15/01/2072	केतु	29/05/2087	शुक्र	08/07/2105	सूर्य	16/08/2121
बुध	12/01/2059	केतु	01/02/2073	शुक्र	27/01/2090	सूर्य	20/06/2106	चंद्र	04/07/2122
केतु	10/06/2059	शुक्र	02/02/2076	सूर्य	15/11/2090	चंद्र	19/01/2108		00/00/0000
शुक्र	09/08/2060	सूर्य	27/12/2076	चंद्र	16/03/2092	मंगल	27/02/2109		00/00/0000
सूर्य	15/12/2060	चंद्र	28/06/2078	मंगल	20/02/2093	राहु	04/01/2112		00/00/0000
चंद्र	16/07/2061	मंगल	16/07/2079	राहु	16/07/2095	गुरु	17/07/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।